व्याकरण दर्पण 4

1. भाषा और व्याकरण

1 (क) मौखिक भाषा

(ख) मौखिक भाषा में बोलने वाले और सुनने वाले के बीच में विचारों का आदान-प्रदान होता है। जबकि लिखित भाषा में लिखने वाले और पढ़ने वाले के बीच में विचारों का आदान-प्रदान होता है।

(ग) भाषा को शुद्ध रूप में लिखने, पढ़ने और समझने की जानकारी देने वाले शास्त्र को व्याकरण कहते हैं।

(घ) हिंदी – देवनागरी; पंजाबी – गुरमुखी; अंग्रेज़ी – रोमन; उर्दू – फ़ारसी

2 (क) लिखित (ख) व्याकरण (ग) मलयालम (घ) मौखिक (ङ) अंग्रेज़ी

3 असम – असमिया; उड़ीसा – उड़िया; राजस्थान – राजस्थानी; महाराष्ट्र – मराठी

बहुविकल्पी प्रश्न

(क) दो (ख) देवनागरी (ग) पढ़कर

रचनात्मक गतिविधि

पं	जा	बी	हिं	दी
म	उ	ते	लु	गु
रा	ड़ि	ह	त	क
ठी	या	ज	मि	न्न
अ	स	मि	या	ड़

2. वर्ण विचार

1 (क) हिंदी वर्णमाला में ग्यारह स्वर और तैंतीस व्यंजन हैं।

(ख) दो व्यंजनों के आपस में जुड़ने से संयुक्ताक्षर बनते हैं।

(ग) 'र' वर्ण के रूप हैं – 'पदेन' और 'रेफ़'।

2 (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✗

3 चिड़िया साइकिल लीची चुहिया

4 (ख) व् + इ + द् + य् + आ + र् + थ् + ई

(ग) अ + न् + उ + श् + आ + स् + अ + न् + अ

(घ) व् + य् + आ + क् + अ + र् + अ + ण् + अ

5 (क) अच्छा (ख) काम (ग) हिंदी (घ) पुस्तक

बहुविकल्पी प्रश्न

(क) ग्यारह (ख) रेफ़ (ग) अयोगवाह (घ) क्ख

रचनात्मक गतिविधि

इ ऊ औ ग च छ ञ ट ड प भ म श ह

3. शब्द और वाक्य

1 (क) वर्णों का वह समूह, जिसका उचित अर्थ हो, शब्द कहलाता है।

(ख) शब्दों के उचित क्रम में आने से वाक्य बनते हैं।

(ग) वाक्य में शब्दों का सार्थक क्रम होना चाहिए और पूरे वाक्य का अर्थ निकलना चाहिए।

2 कोयल हलवा फूल जोकर कपड़ा गाजर बंदर पतंग

3 (क) हरा तोता मिर्च खाता है।

(ख) रोगी सो रहा है।

(ग) चुहिया ने गुलाबी चुनरी कुतर दी।

4 बच्चे पतंग उड़ा रहे हैं। छोटा बच्चा रो रहा है। बंदर केला खा रहा है।

बहुविकल्पी प्रश्न

(क) शब्दों (ख) मकल (ग) नानी (घ) सार्थक

रचनात्मक गतिविधि

साँप सूरज जूता गंगा हल रात

4. संज्ञा

1 (क) किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान अथवा भाव के नाम वाले शब्द संज्ञा कहलाते हैं। जैसे – हर्षित, खिलौना, दिल्ली, बचपन।

(ख) जातिवाचक संज्ञा शब्दों से किसी व्यक्ति, प्राणी, वस्तु, स्थान की जाति का बोध होता है। जबकि व्यक्तिवाचक संज्ञा से किसी विशेष व्यक्ति, प्राणी, स्थान या वस्तु का बोध होता है।

(ग) दोस्ती, मिठास, प्यास, उदासी, कालिमा, मोटापा, उड़ान, भूख, बुढ़ापा, बचपन।

2 व्यक्तिवाचक संज्ञा – स्नेहलता, लालकिला, आगरा, सोहन।
जातिवाचक संज्ञा – ब्राह्मण, वृक्ष, पशु, डॉक्टर।
भाववाचक संज्ञा – दोस्ती, मिठास, प्यास, उदासी।

3 (ख) हँसी (ग) वीरता, शत्रुता (घ) सच्चाई (ङ) गहराई

4 चिड़िया बॉल कबूतर पेड़ गाय लड़की बकरी लड़का कुत्ता डिब्बा बैट बोतल।

बहुविकल्पी प्रश्न

(क) तीन (ख) ऊँचाई (ग) जातिवाचक (घ) लालकिला

रचनात्मक गतिविधि

पटना → नासिक → कानपुर → रायपुर → रोहतक → कोयंबटूर → रामपुर → राउरकेला → लातूर।

5. लिंग

1 (क) शब्द के जिस रूप से उसके स्त्री या पुरुष होने का ज्ञान होता है, उसे लिंग कहते हैं।

(ख) पुल्लिग शब्द पुरुष जाति का बोध कराते हैं। जबकि स्त्रीलिंग शब्दों से स्त्री जाति का बोध होता है।

(ग) निर्जीव वस्तुओं के लिंग की पहचान उनके साथ प्रयुक्त क्रिया या विशेषण से हो सकती है।

2

अदालत – स्त्रीलिंग	जहाज़ – पुल्लिग	बोतल – स्त्रीलिंग
बंदूक – स्त्रीलिंग	डंडा – पुल्लिग	छप्पर – पुल्लिग
मिर्च – स्त्रीलिंग	केश – पुल्लिग	नहर – स्त्रीलिंग
केला – पुल्लिग		

3

भाई – बहन	माता – पिता	बैल – गाय
छात्र – छात्रा	कुतिया – कुत्ता	चूहा – चुहिया

4 पुल्लिग – बंदर, मदारी, खेल, डमरू, पुरुष, बच्चे
स्त्रीलिंग – बंदरिया, झोली, छाती, महिलाएँ, बच्चियाँ

बहुविकल्पी प्रश्न

(क) वृद्धा (ख) आलू (ग) क्रिया (घ) मोरनी

रचनात्मक गतिविधि

सु	ह	नौ	ना	ग
ना	य	क	म	अ
र	शे	र	हा	ध्या
भा	ब	क	रा	प
ई	हा	थी	ज	क

6. वचन

1 (क) शब्द के जिस रूप से उसके एक या अनेक होने का बोध होता है, उसे वचन कहते हैं।

(ख) एकवचन शब्दों से संज्ञा या सर्वनाम के एक होने का पता चलता है जबकि बहुवचन शब्दों से संज्ञा या सर्वनाम के एक से अधिक होने का पता चलता है।

(ग) वचन बदलने पर संज्ञा के साथ-साथ क्रिया का रूप भी बदल जाता है।

2 छात्राएँ; नदियाँ; महिलाएँ; घड़ियाँ; चुहियाँ; लड़कियाँ

3 (क) बहुवचन (ख) बहुवचन (ग) एकवचन (घ) बहुवचन

(ङ) एकवचन (च) बहुवचन

4 चाबियाँ, कुरसी, घोड़े

बहुविकल्पी प्रश्न

(क) तोता (ख) गुब्बारे (ग) एक (घ) थैले

रचनात्मक गतिविधि

चिड़ियाँ (अनेक)	घोड़ा (एक)	खरगोश (अनेक)	फूल (अनेक)
तोते (अनेक)	बंदर (अनेक)	पेड़ (अनेक)	हाथी (एक)

7. सर्वनाम

1 (क) जो शब्द संज्ञा के स्थान पर आए, उसे सर्वनाम कहते हैं।

(ख) मैं, मेरा।

(ग) कौन, क्या, किसे।

(घ) मैं, मेरा, मुझे, मैंने, मुझसे।

2 पुरुषवाचक – वह, मेरा, हमें, ये, यह, तुम्हारा, मुझे।
अनिश्चयवाचक – कुछ, कोई।
प्रश्नवाचक – क्या, किसे, कौन।

3 मोहिनी कक्षा की सबसे होनहार लड़की है। **उसके** माता-पिता **उसे** बहुत प्यार करते हैं। आप **उससे** मिलकर बहुत खुश होंगे। **वह** मेरी ही कक्षा में पढ़ती है। एक दिन **उसने** बताया, "**मुझे** आइसक्रीम पसंद है।"

4 कोई; जो; वह; मुझे; कौन; तुम्हें; तुम; वही।

बहुविकल्पी प्रश्न

(क) तुम (ख) मेरी (ग) उसका (घ) तुम्हारा

रचनात्मक गतिविधि

दो मित्र थे। **वे** जंगल से जा रहे थे। **उन्होंने** सामने से भालू आते देखा। एक मित्र **अपनी** जान बचाने के लिए पेड़ पर चढ़ गया। दूसरा मित्र नहीं चढ़ पाया। **उसे** एक उपाय सूझा। **वह** ज़मीन पर लेट गया। भालू **उसके** पास आया, **उसे** सूँघा और मरा हुआ समझकर चला गया। इस तरह **उन्होंने** भालू से अपनी जान बचाई।

8. विशेषण

1 (क) विशेषण का काम संज्ञा शब्दों की विशेषता बताना होता है।
(ख) विशेषण जिन संज्ञा शब्दों की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेष्य कहते हैं।
(ग) 1. गुणवाचक 2. परिमाणवाचक 3. संख्यावाचक 4. सार्वनामिक

2 गुण बताने वाले – अच्छा, बुरा, मेहनती।
रंग बताने वाले – काला, गोरा, पीला।
आकार बताने वाले – मोटा, पतला, लंबा।
स्वाद बताने वाले – मीठा, तीखा, नमकीन।
दशा बताने वाले – मज़बूत, कमज़ोर, रोगी।

3 काली – घोड़ी अमीर – आदमी सारे – केले
कुछ – पक्षी खट्टी – इमली मोटी – किताबें
गरम – चाय

4 गुणवाचक – हरा पत्ता, मोटी दीवार, ज़हरीला नाग
संख्यावाचक – दस लड़के, थोड़े पैसे, कुछ कुरतियाँ
परिमाणवाचक – चार किलो चीनी, कुछ घी, थोड़ा दूध
सार्वनामिक – उसका भाई, वह गाय, मेरा घर

5 नीली छतरी, पीले फूल, लाल टमाटर, सुंदर फ्रॉक, ऊँची इमारतें, चतुर बगुला।

बहुविकल्पी प्रश्न

(क) फूल (ख) खुला (ग) थोड़ा (घ) सारी

रचनात्मक गतिविधि

मेरा मित्र रमेश बहुत सुंदर है। वह बहुत मेहनती है। मेरा मित्र बहुत मीठा बोलता है। वह हमेशा स्वस्थ रहता है। स्वच्छ रहना और स्वच्छ रखना उसकी आदत है। रमेश का स्वभाव बहुत अच्छा है। चुस्त तो इतना कि हर काम को जल्दी से कर देता है। वह पढ़ाई में भी होशियार है।

9. क्रिया

1 (क) किसी काम के करने या होने को क्रिया कहते हैं।

(ख) 1. नदी बह रही है। 2. फूल खिल गए। 3. बारिश हो रही है।

(ग) क्रिया का रूप लिंग और वचन के कारण बदल जाता है।

2 उड़ती गई; नाचेगी; खा लिए; जाओ।

3 जलना – जली, जलेगा, जले।

खाना – खाई, खाएगा, खाए।

सोना – सोई, सोएगा, सोए।

4 बच्चा बारिश में खेल रहा है। रोहिणी मंच पर गाना गा रही है।

सड़क पर गाड़ियाँ दौड़ रही हैं। विद्यालय में प्रार्थना हो रही है।

बहुविकल्पी प्रश्न

(क) तैरता (ख) जाता (ग) बाँटे (घ) जोत

रचनात्मक गतिविधि

आज अध्यापिका जी हमसे प्रसन्न **हुईं।** बात यह थी कि जब वह कक्षा में **आईं**, तो कक्षा में सभी बच्चे शांत **बैठे** थे और अपनी-अपनी पुस्तकें खोलकर **पढ़** रहे थे। कक्षा में ऐसी शांति उन्हें पहली बार **देखने** को मिली थी।

10. क्रिया के काल (समय)

1 (क) क्रिया के जिस रूप से कार्य का समय पता चले, उसे काल कहते हैं।

(ख) काल के तीन भेद हैं – 1. भूतकाल 2. वर्तमान काल 3. भविष्यत् काल

(ग) मोनू विद्यालय गया। (भूतकाल)
मोनू विद्यालय जा रहा है। (वर्तमान काल)
मोनू विद्यालय जाएगा। (भविष्यत् काल)

2 (क) भूतकाल (ख) भविष्यत् काल (ग) भूतकाल
(घ) वर्तमान काल (ङ) भूतकाल

3 (क) हम घूमने गए थे। (ख) मंदिर दोबारा बन रहा है।
(ग) पिता जी नई टाई लाएँगे। (घ) मोहित कल दिल्ली से आया।

बहुविकल्पी प्रश्न

(क) तीन (ख) हो रही है (ग) चुका था (घ) आने वाले

रचनात्मक गतिविधि

कल मेरा जन्मदिन था। पूरा घर गुब्बारों और रंग-बिरंगी झंडियों से सजाया गया। मेरे पिता जी बाज़ार से केक और मोमबत्तियाँ लाए। मित्र भी बहुत-से उपहार लेकर आए। अपने माता-पिता, दादा जी और मित्रों के साथ मैंने केक काटा।

11. विलोम शब्द

1 (क) कठिन (ख) गरमी (ग) पतला (घ) उजाले (ङ) ठंडा

2 पाप – पुण्य दिन – रात लेना – देना
आस्तिक – नास्तिक सवाल – जवाब आकाश – पाताल
ज्ञान – अज्ञान मोटा – पतला सज्जन – दुर्जन
खट्टा – मीठा

3 गीला, खोना, अप्रसन्न, अवनति, अस्त, मूर्ख।

4 गरम, अँधेरा, मूर्ख, पाताल।

बहुविकल्पी प्रश्न

(क) गुण (ख) कोमल (ग) दिन (घ) पीछे।

रचनात्मक गतिविधि

			1 सु	2 ख
				ट्
		3 उ 4	ल	टा
		ध		
5 का	य	र		

12. पर्यायवाची शब्द

1 किसान, कृषक, काश्तकार। राक्षस, असुर, दानव।
तालाब, सरोवर, ताल। पुष्प, सुमन, फूल।

2 (क) आग (ख) जलज (ग) पेड़ (घ) भगवान

3 सागर, समुद्र, रत्नाकर रात, निशा, रजनी
नीर, जल, पानी चाँद, चंद्रमा, शशि
बाग, वाटिका, उपवन

बहुविकल्पी प्रश्न

(क) सोना (ख) नयन (ग) हाथी (घ) राजा

रचनात्मक गतिविधि

1 उ	प	व	2 न	12 र	वि
3 स	रि	ता	य		
म्रा	4 प्र	सू	न	5 पा	
ट	6 ई	7 स	रो	व	र
8 मे	श्व	9 प्रा	तः	10 क	र
घ	र	11 म	हि	ला	

13. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

1 (क) चोर (ख) आज्ञाकारी (ग) भिखारी (घ) शिकारी (ङ) विदेशी

2 (क) गाँव में रहने वाला (ख) चित्र बनाने वाला (ग) प्रतिदिन होने वाला
(घ) कम खाने वाला (ङ) जल में रहने वाला

3 (क) निडर (ख) कवि (ग) औषधालय (घ) डरपोक

बहुविकल्पी प्रश्न

(क) चित्रकार (ख) पाठशाला (ग) कवि (घ) ग्रामीण

रचनात्मक गतिविधि

नरेश एक ईमानदार **सेवक** था। उसका मालिक **गूँगा** था। नरेश जब मालिक के इशारे की भाषा समझ नहीं पाता तब वह मालकिन से पूछता। लेकिन मालकिन **बहरी** थी इसलिए वह नरेश की बात नहीं समझ पाती थी। वह नरेश को **नालायक** कहती।

14. शब्दों और वाक्यों की अशुद्धियाँ

1 (क) दीवार (ख) आशीर्वाद (ग) रुपया (घ) साहब
(ङ) आकाश (च) ऋण

2 अशुद्ध शब्द – अकाश, समुंदर, उपर, द्रिष्टी, पिछे, सर्तक, अतयंत, कठीनाई
शुद्ध शब्द – आकाश, समुद्र, ऊपर, दृष्टि, पीछे, सतर्क, अत्यंत, कठिनाई।

3 प्रसन्न, कठिनाई, दुर्गुण, बीमार, कर्म, हिंदू।

4 (क) वह घर जा रहा है। (ख) राम ने मेरी किताब ले ली।
(ग) दादा जी ने मुझे मारा। (घ) मुझे स्कूल जाना है।
(ङ) श्याम ने पुस्तक खरीदी।

बहुविकल्पी प्रश्न

(क) कृपा (ख) आशीर्वाद (ग) बाण (घ) कर्कश

रचनात्मक गतिविधि

झूरी के पास दो बैल थे। उनका नाम थे – हीरा और मोती। वे झूरी के बहुत प्यार करते थे। **झूरी भी उनके चारे-पानी का बड़ा ध्यान रखता।** एक बार झूरी का पत्नी की भाई आया। **वह बैलों को ले गया।** बैलों से बड़ा आश्चर्य हुआ। **वे डर भी गए थे।** वह ने गया को बहुत तंग किया। **इस कारण गया ने उन्हें बहुत पीटा।** उनमें रूखा-सूखा चारा दिया।

15. मुहावरे

1 आँख खुलना – समझ आना नाक कटना – अपमानित होना
दिल पसीजना – दया आना दाल में काला होना – कुछ गड़बड़ी होना
जल-भुन जाना – ईर्ष्या होना खून खौलना – गुस्सा होना

2 (क) छोटे बच्चे ने रो-रोकर माँ की नाम में दम कर दिया।
(ख) ज़रा-ज़रा सी बात पर दाँत पीसना अच्छा नहीं।
(ग) बहुत भूख लगने पर रवि खाने पर टूट पड़ा।
(घ) छक्का मारना तो विराट कोहली के बाएँ हाथ का खेल है।
(ङ) परीक्षा की तैयारी के लिए अब कमर कस लेनी चाहिए।

3 नाक रगड़ना दाँतों तले उँगली दबाना मक्खियाँ मारना
ताली बजना पापड़ बेलना अक्ल पर पत्थर पड़ना

बहुविकल्पी प्रश्न

(क) नींद आ जाना (ख) कान खा जाना (ग) खून खौलना (घ) उँगली उठाना

रचनात्मक गतिविधि

कमर कसना, नौ दो ग्यारह होना, मुँह की खाना, दिल पसीजना, दाँत खट्टे करना।

16. पत्र लेखन

(क) सेवा में,

अध्यापिका जी

के॰वी॰एस॰ पब्लिक स्कूल

शाहदरा, दिल्ली

दिनांक : 4 सितंबर, 20××

विषय : शिक्षक दिवस पर शुभकामना देने संबंधी

महोदया,

आपको शिक्षक दिवस की बहुत-बहुत बधाई। आज के दिन मैं अपने दिल की बात आपसे कहने जा रही हूँ। आपके बताए रास्तों पर चलकर मुझे मालूम हुआ कि एक अध्यापक का छात्र के जीवन में कितना महत्व होता है। आपने मुझे समय-समय पर गलत रास्तों पर चलने से रोका तथा मेरा मार्गदर्शन किया। आप मेरी आदर्श अध्यापिका रही हैं तथा मुझे हमेशा याद रहेंगी।

आपकी आज्ञाकारी शिष्या

स्मृति

कक्षा चार 'अ'

अन्य पत्रों को लिखने का अभ्यास छात्र स्वयं करें।

17. निबंध-लेखन

1 (क) **मेरा विद्यालय**

मेरे विद्यालय का नाम डी॰ए॰वी॰ पब्लिक स्कूल है जो प्राथमिक कक्षा से बारहवीं कक्षा तक है। हमारी प्रधानाचार्या डॉ॰ श्रीमती सुषमा हैं। वे स्वभाव से अत्यंत विनम्र हैं। वे हमेशा छात्रों के संपर्क में रहती हैं।

हमारे यहाँ अध्यापक और अध्यापिकाओं की कुल संख्या 40 है। सभी अध्यापक और अध्यापिकाएँ बच्चों के साथ अच्छा व्यवहार करते हैं। विद्यालय में छात्र तथा छात्राओं की संख्या लगभग 600 है।

विद्यालय का भवन बड़ा और काफ़ी खूबसूरत है। इसमें कुल मिलाकर 40 कमरे हैं। सभी कमरे हवादार और साफ़-सुथरे हैं जिनकी साफ़-सफ़ाई का ध्यान सभी छात्र-छात्राएँ रखते हैं। प्रत्येक कक्षा में शिक्षा के उचित साधन और सुविधाएँ हैं। विद्यालय में खेल का एक बड़ा मैदान भी है। यहाँ कई तरह के खेल खेले जाते हैं। विद्यालय में आगे की ओर सुंदर बगीचा है। मुझे मेरा विद्यालय बहुत अच्छा लगता है।

(ख) बच्चे संकेत के आधार पर स्वयं लिखें।

2 (क) **मेरे खिलौने**

मेरे खिलौने बहुत सुंदर हैं। मेरे पास कई तरह के खिलौने हैं। जैसे गुड्डा-गुड़िया, रंग-बिरंगी चिड़िया, घोड़ा, हाथी, उछलता बंदर, नाचता भालू, दुश्मन पर निशाना साधता सैनिक भी।

मेरी नानी जब भी आती हैं, मेरे लिए खिलौने लेकर आती हैं। मैं अपने सारे खिलौने अलमारी में सँभालकर रखती हूँ। मैं अपनी सहेलियों के साथ इन खिलौनों से खेलती हूँ। कभी-कभी मेरे दादा जी भी खिलौनों को उछालकर उनके कूदने का बहाना करते हैं और मुझे बहलाते हैं। मुझे अपने सभी खिलौने बहुत प्रिय हैं। ये मेरी नानी के प्यार से दिए गए उपहार जो हैं।

(ख) **जब मैं मेला घूमने गई**

मेले में जाने का सपना मैं बार-बार देखती थी। और आखिर वह दिन आ ही गया जब मैं और मेरा भाई माता-पिता के साथ मेला देखने गए। हम दोनों बहुत उत्साहित थे। मेले में बहुत भीड़ थी। पिता जी ने हम दोनों का हाथ पकड़ रखा था।

मेला बहुत दूर-दूर तक लगा था। खूब सजावट की हुई थी। वहाँ कई तरह के झूले थे। गोल-गोल घूमने वाला झूला, ऊपर-नीचे आने वाला झूला। हम सभी तरह के झूलों में बैठे। हम ड्रैगन वाले झूले पर भी बैठे। झूले पर बैठने पर बहुत डर लग रहा था। लेकिन अच्छा भी लग रहा था। मेले में एक तरफ़ साइकिल पर बैठा व्यक्ति मौत के कुएँ में गोल-गोल घूम रहा था।

मेले में कई तरह के खिलौने हमारा ध्यान अपनी ओर खींच रहे थे। बंदर बार-बार उछलता, भालू नाचता, शेर दहाड़ता, जैसे कह रहे हों आओ हमसे दोस्ती करो, हमें अपने साथ लेकर जाओ।

हमने जादूगर का खेल भी देखा जो कभी चिड़िया को कबूतर बना देता तो कभी कागज़ के फूलों को असली फूलों में बदल देता।

वहाँ चाट-पकौड़ी, मिठाई, आइसक्रीम आदि की बहुत-सी दुकानें थीं। हमने सभी चीज़ें खाईं तथा खूब मस्ती की। जब हम थक गए तो घर वापिस आ गए।

अन्य विषयों पर छात्र स्वयं निबंध लिखने का अभ्यास करें।

18. चित्र-वर्णन

1 अरे वाह! रेलगाड़ी ऐसी होती है। यह तो बहुत बड़ी है! आगे का जो डिब्बा है इसे इंजन कहते हैं और पीछे जो लगे हैं उन्हें बोगी कहते हैं। जहाँ हम खड़े हैं इसे प्लेटफार्म कहते हैं। ऊपर एक शेड है जिसके नीचे हम खड़े हैं। स्टेशन पर खड़े यात्री रेलगाड़ी में बैठकर चले जाएँगे।

2 यह गाँव का दृश्य है। पहाड़ों पर सूर्य की रोशनी पड़ रही है। पक्षी दूर-दूर तक उड़ान भर रहे हैं। मंदिर के ऊपर एक झंडा लहरा रहा है।

ऊँचे-ऊँचे पहाड़ों के बीच झोंपड़ीनुमा घरों की तरफ़ एक कच्चा रास्ता जा रहा है। आस-पास का वातावरण काफ़ी मनमोहक है। चारों तरफ़ हरियाली छाई है।

कुछ लोग रास्ते पर चल रहे हैं। कोई पैदल है तो कोई साइकिल पर। एक आदमी बैलगाड़ी ले जा रहा है जिसमें बैल जुते हैं। एक स्त्री कुएँ से पानी खींच रही है तथा दूसरी स्त्री पानी से भरे घड़े ले जा रही है।

19. कहानी-लेखन

1 **बुद्धिमानी और बल**

एक हरा-भरा जंगल था जिसमें बहुत सारे जानवर रहते थे। एक शेर रोज़ाना किसी न किसी जानवर को अपना शिकार बनाता तथा दावत उड़ाता। इससे जंगल के सभी जानवर काफ़ी चिंतित थे।

एक दिन सभी जानवरों ने सभा की और शेर के सामने प्रस्ताव रखा कि प्रतिदिन एक जानवर स्वयं उसका भोजन बनेगा। शेर ने यह प्रस्ताव स्वीकार कर लिया।

अब सभी जानवरों के सामने यह समस्या थी कि शेर का सबसे पहला भोजन कौन बने। अंत में बुद्धिमान खरगोश ने तय किया कि सबसे पहले मैं जाऊँगा। खरगोश ने शेर के पास पहुँचने में काफ़ी देर लगा दी। शेर का भूख के मारे बुरा हाल था। कारण पूछने पर खरगोश ने कुएँ में दूसरा शेर होने और उसके द्वारा रोक लिए जाने की कहानी बना दी। जंगल का राजा गुस्से में लाल-पीला होकर खरगोश के पीछे-पीछे कुएँ की तरफ़ चला। उसने कुएँ के अंदर झाँककर देखा तो वास्तव में वहाँ दूसरा शेर था। फिर क्या था! उसको मारने के लिए शेर ने छलांग लगा दी। इस तरह शेर कुएँ में कूदकर मर गया और खरगोश तथा बाकी जानवरों की जान बच गई।

2 इसे बच्चे स्वयं करें।